2(a) → सम्पूर्ण विश्व कई सामाजिक सांस्कृतिक विविधताओं से भरा हुआ है। इन सांस्कृतिक विशेषताओं की अपनी-अपनी विशेषताएँ हैं, जिनका अवलोकन करने पर कई महत्वपूर्ण रोचक जानकारियाँ प्राप्त की जा सकती हैं। स्पेंसर के अनुसार —

"किसी लघु क्षेत्र में रहने वाले जनसमूह एवं उनकी संस्कृति का प्रभाव सम्बद्ध क्षेत्रों में विस्तृत रूप से होता है, ऐसे सम्पूर्ण प्रभावित क्षेत्र में जिसमें सांस्कृतिक पक्षों की समांगता होती है, सांस्कृतिक प्रदेश कहलाता है।"

विश्व के सांस्कृतिक प्रदेश

- मुख्य
  - पाश्चात्य सांस्कृतिक प्रदेश
  - इस्लामी सांस्कृतिक प्रदेश
  - भारतीय सांस्कृतिक प्रदेश
  - पूर्वी एशियाई सांस्कृतिक प्रदेश
- गौण
  - द. पूर्व एशियाई सांस्कृतिक प्रदेश
  - मध्य अफ्रीकी सांस्कृतिक प्रदेश

① <u>पाश्चात्य सांस्कृतिक प्रदेश</u> :—

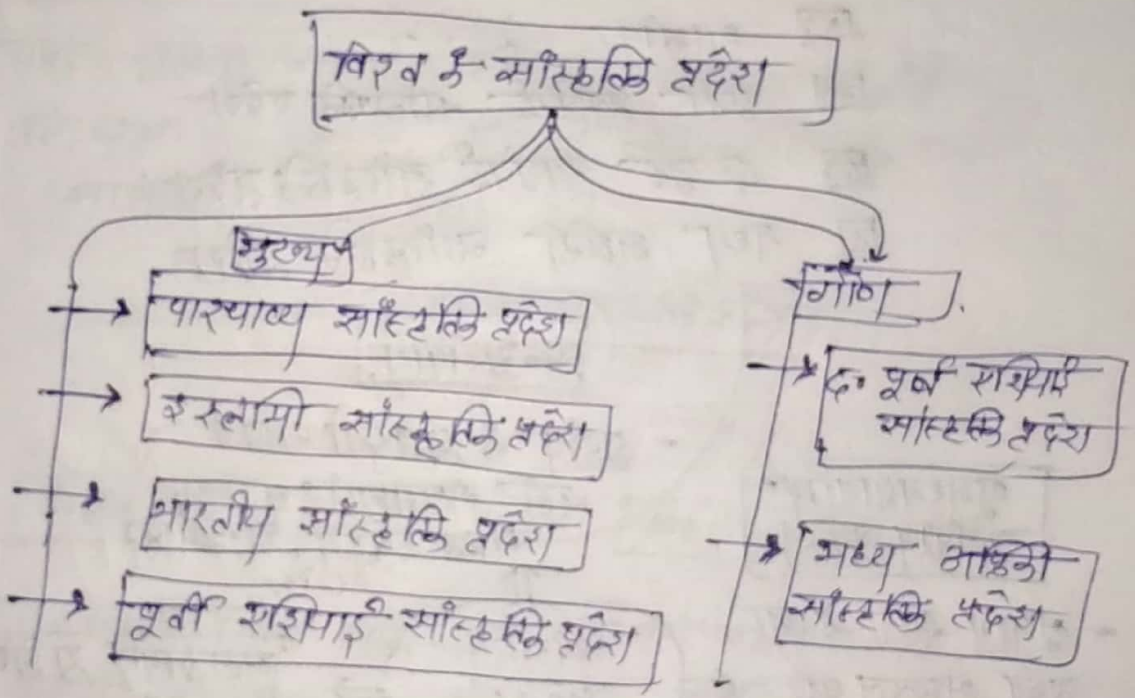

यह प्रदेश यूरोपीय संस्कृति का मुख्य क्षेत्र है जिसमें ईसाई धर्म लगभग सर्वव्यापी है। इस प्रदेश में औद्योगीकरण, नगरीकरण, राजनीतिक परिस्थितियाँ, अर्थव्यवस्था, उपनिवेशीकरण, परिवहन तंत्र आदि के अनेक रूपांतर उपस्थित हैं।

Scanned with CamScanner

- पश्चिमी सांस्कृतिक प्रदेश
- इस्लामी " "
- भारतीय " "
- पूर्वी एशियाई सांस्कृतिक प्रदेश
- द. पूर्व एशियाई सांस्कृतिक प्रदेश
- मध्य अफ्रीकी सांस्कृतिक प्रदेश

प० यूरोपीय

- यूरोप के पश्चिमी भाग के जहाँ महासागरीय जलवायु मानव स्वास्थ्य को प्रभावित करती

पाश्चात्य प्रदेश

भूमध्यसागरीय यूरोपीय प्रदेश

- भूमध्य सागर के उत्तर तथा आल्पस पर्वत के द० में स्थित कैथोलिक प्रदेश

महाद्वीपीय यूरोपीय प्रदेश

- पूर्वी यूरोपीय देश
- ईसाई धर्म का प्रभाव अधिक

आंग्ल अमेरिकी सांस्कृतिक प्रदेश

- विश्व का सबसे समृद्ध प्रदेश
- यूरोप से आया यहाँ धर्म
- वर्तमान संस्कृति पर यूरोपीय प्रभाव

* **इस्लामी सांस्कृतिक प्रदेश :-**

यह प्रदेश अफ्रीका के मोरक्को से लेकर एशिया के पाकिस्तान तक फैला हुआ है, यह इस्लामिक संस्कृति से प्रभावित है।

- इस्लाम, ईसाई, यहूदी धर्मों का जन्म इसी प्रदेश के मध्यपूर्व में हुआ है।

* **भारतीय सांस्कृतिक प्रदेश :-**

यह पूर्ण रूप से भारतीय उपमहाद्वीप में विकसित है, इसे वैकल्प - उपमहाद्वीपीय तथा इस्लाम के - "भातसंस्कृति" के नाम से पुकारा गया।

* **पूर्वी एशियाई सांस्कृतिक प्रदेश :-**

- यहाँ मूलतः बौद्ध संस्कृति है, जिसमें कई क्षेत्रीय भिन्नताएं पाई जाती हैं, और यहाँ अन्यदक्षिणपूर्वएशियाई तथा भाषाभिन्नता भी प्रचलित है।

गौण सांस्कृतिक प्रदेश

द० पूर्व एशियाई प्रदेश	मध्य अफ्रीकी प्रदेश
- सांस्कृतिक प्रदेशों का मिलन स्थल	- यहाँ कबीलाई संस्कृति की प्रधानता
- संक्रामी सांस्कृतिक प्रदेश भी कहते हैं	- पशुपालक अर्थव्यवस्था का विकास
- उदा० - म्यांमार, वियतनाम व भारतीय	- कृषि, उद्योग, पशुपालन का व्यापक विकास

इसप्रकार विश्व के विभिन्न सांस्कृतिक प्रदेशों की अपनी-2 व्यापक विशेषताएं हैं।

Scanned with CamScanner

(B) ग्रामीण नगरी उपांत गाँवों तथा शहरों का सम्मिलित स्वरूप है। नगर के बाहरी भाग में नगर और गाँव के बीच की संक्रमण मेखला को जिसमें नगरीय और ग्रामीण दोनों की विशेषताएँ पाई जाती हैं, ग्रामीण नगरीय उपांत कहलाता है।

R. J. प्रयार 1968 के अनुसार —

" नवस्थित नगरीय भूमि उपयोग तथा तथा कृषि की समर्पित क्षेत्र के बीच का संक्रमण क्षेत्र "

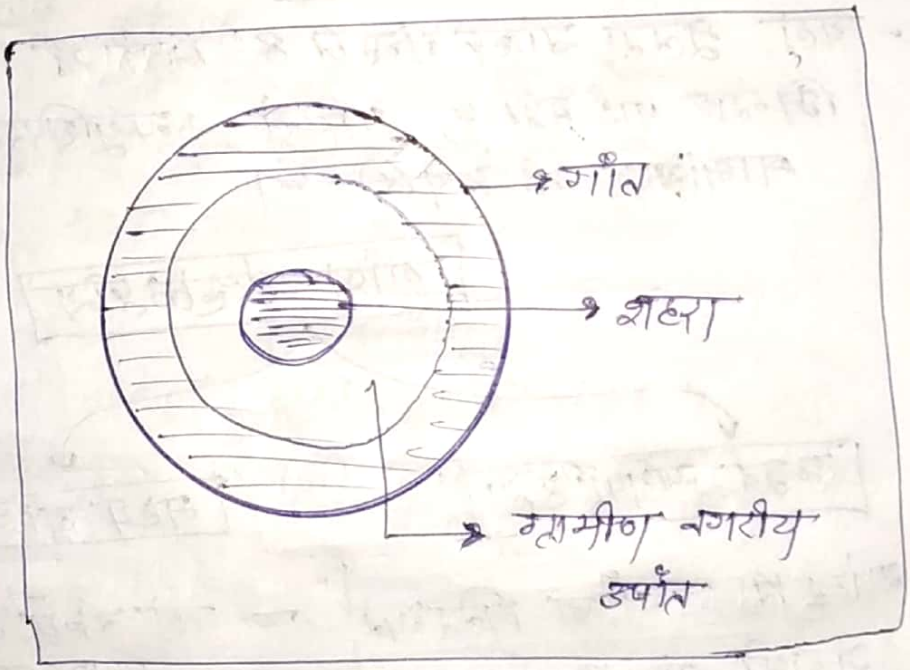

चित्र : ग्रामीण नगरीय उपांत

★ **ग्रामीण नगरीय उपांत विकास के कारण** :–

नगरों में भूमि का अभाव — भवन एवं आवासों हेतु भूमि की कमी और महंगाई

• अधिक भूमि की आवश्यकता — हवाई अड्डा, उद्योग, हेयरी ...

- हानिकारक उद्योगों को नगर से बाहर स्थापित करने की आवश्यकता ।
- बेहतर संचार साधन एवं आधारभूत संरचना ।
- अत्यधिक जनसंख्या बदल - मलिन बस्तियों आदि का विकास, प्रदूषण
- सरकारी नीति

ग्रामीण नगरीय उपांत की सीमांकन :-

सही अर्थ में पूर्ण नगरीय व उपांत क्षेत्र के बीच विभाजन मुश्किल था। उपांत क्षेत्र गत्यात्मक प्रकृति के कारण व नगरीय आवासों के साथ-2 नगरीय व उपांत प्रदेशों की सीमाएँ बदलती रहती हैं।

चित्र: ग्रामीण नगरीय उपांत का विभाग

संरचना

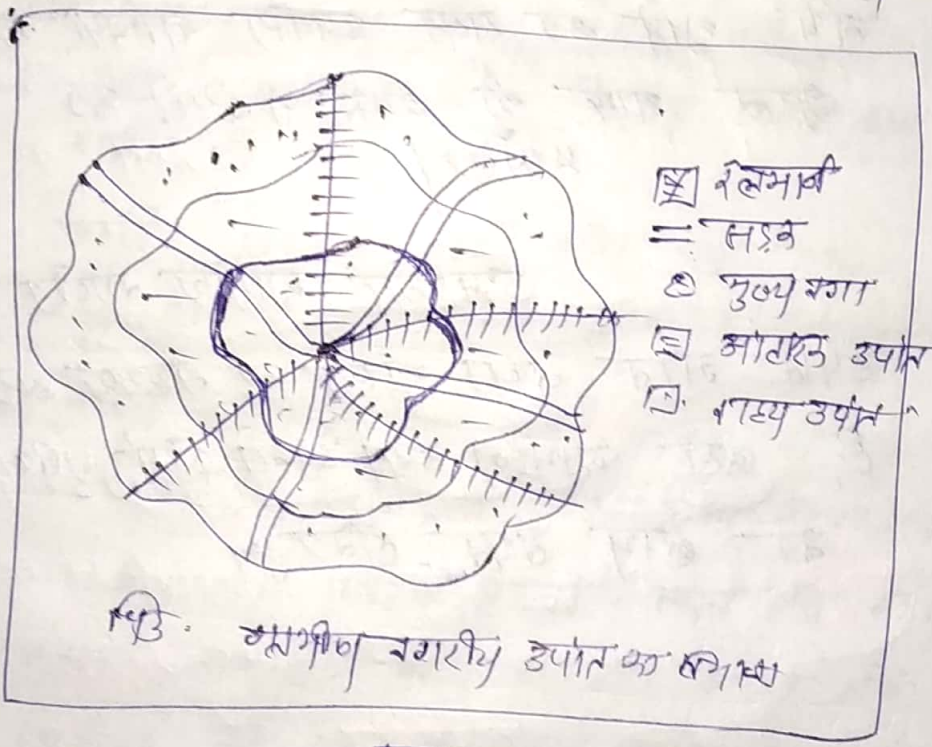

आंतरिक उपांत	मध्यवर्ती	बाह्य उपांत
- नगरीय लक्षण प्रमुख - नगरीय सुविधाएं - पार्क, बाग, कब्रिस्तान	ग्रामीण व नगरीय दोनों विशेषताएं	- ग्रामीण विशेषता प्रमुख से ... कृषि ...

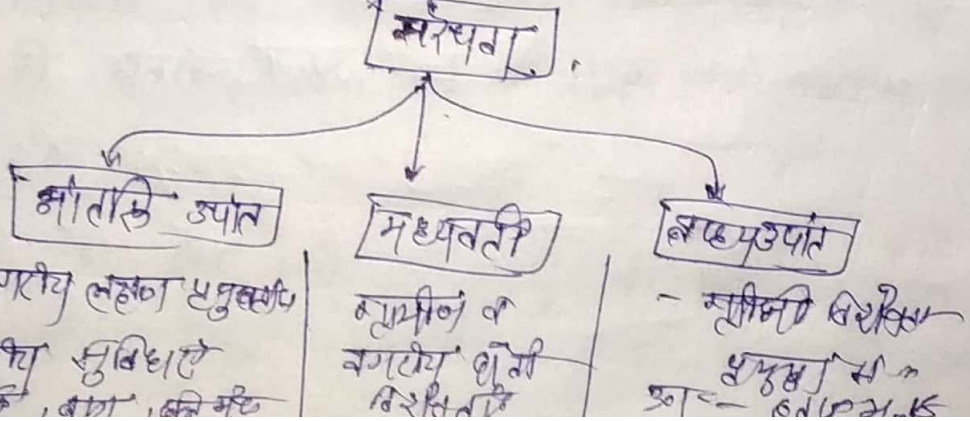

• ग्रामीण नगरीय उपांत के लक्षण व कमियाँ :-

① [नगर प्रशासन नियंत्रण से मुक्त]:

- उद्योग एवं अन्य संस्थान नगरीय कर से मुक्त प्रशासनिक समस्याओं के लिए उत्तरदायित्व का अभाव जलआपूर्ति स्वच्छता आदि।
- वृहत्त भूमि वाले कार्य जैसे — गोल्फ के मैदान, वाटर ट्रीटमेंट, प्लांट, हवाई अड्डे बड़े गोदाम तथा उद्योगों आदि का निर्माण
- कृषि भूमि का भी कृषि कार्य जैसे उद्योगों आवासीय भवन आदि में प्रयोग।
- कृषि भूमि का सबसे उपयोग सब्जियों फल फूल आदि की उपज में उपयोग का प्रयोग।

इसप्रकार ग्रामीण नगरीय उपांत गाँव तथा शहरों का संक्रमण क्षेत्र है, जहाँ ग्रामीण तथा शहरी दोनों सुविधाओं का लाभ प्राप्त होता है।

Scanned with CamScanner